Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 8, अंक : 47 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, मंगलवार
18 जुलाई, 2023
मूल्य ₹ 3.00

www.shashwattimes.com

असली एवं नकली उर्वरकों की घरेलू स्तर पर कृषक स्वयं करें पहचानः- डॉ खलीील खान

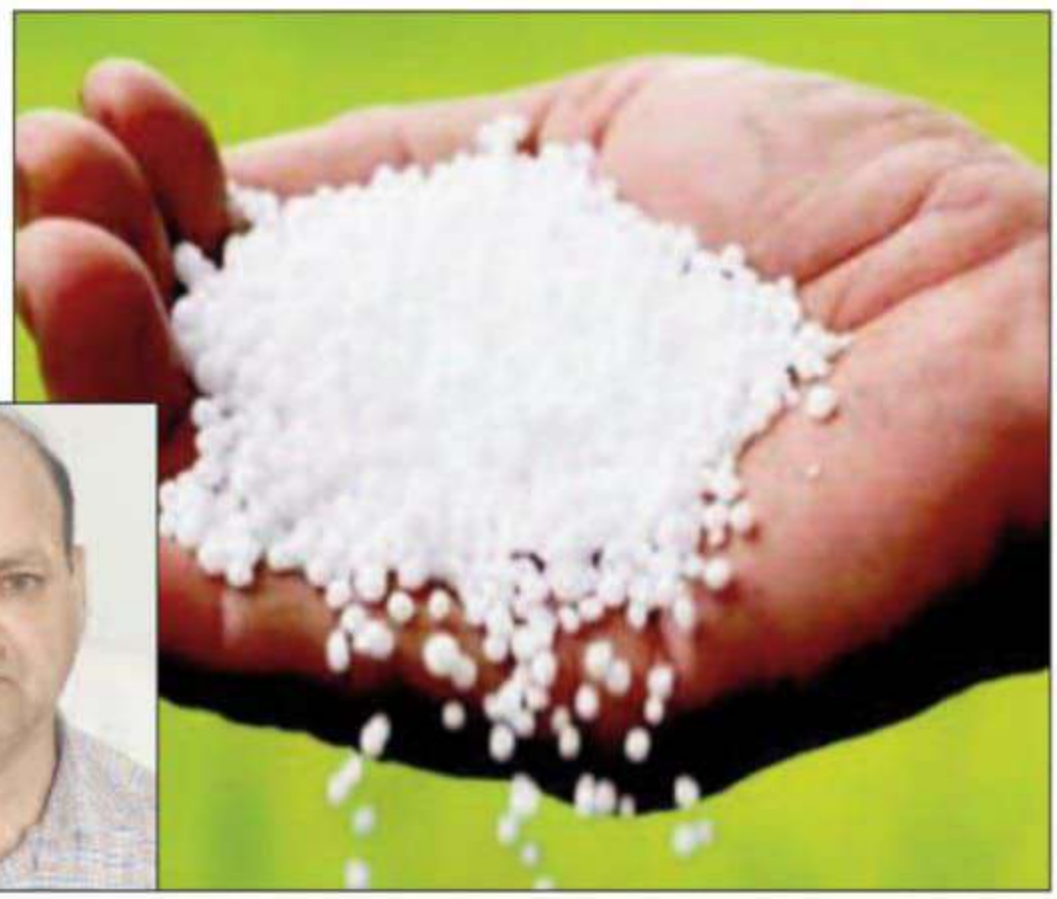

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में मंगलवार को दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने कृषक भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान घरेलू स्तर पर स्वयं कृषक भाई कर सकते हैं मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि खरीफ का मौसम चल रहा है ऐसे भी किसान भाई खरीफ की फसलों में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करते हैं इसलिए जरूरी है कि किसान भाई रासायनिक उर्वरकों को जांच परख लें ।तत्पश्चात पतलू में प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि असली यूरिया के दाने सफेद चमकदार और एक समान आकार के होते हैं इसके दाने पानी में पूरी तरह घुल जाते हैं इसके घोल को छूने पर ठंडा महसूस होता है तो यह समझ लेना चाहिए कि यूरिया असली है। अथवा यूरिया के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखने से दाने पिघल जाते हैं आंच को तेज कर दें तो इसका कोई अवशेष नहीं बचता है तो किसान भाई समझ लें की ये असली यूरिया है डॉक्टर खान बताया कि इसी तरह से डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लेकर उसमें चूना मिलाकर मलने से यदि उसमें तेज गंध आने लगे और सूंघना मुश्किल हो जाए तो समझ ले कि डीएपी असली है दूसरी विधि में डीएपी के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें तवे पर दाने अपने आकार से फूल जाते हैं तो समझे कि यह असली डीएपी है इसी प्रकार से पोटाश के कुछ दानों को नम करें ऐसा करने पर यह यह दाने आपस में नहीं चिपकते हैं तो असली है दूसरी विधि में पोटाश को पानी में घोलने पर इसका लाल भाग पानी के ऊपर तैरता रहता है डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इसी प्रकार जिंक सल्फेट को डीएपी के घोल में मिलाने से थक्केदार अवच्छेप बन जाता है तो समझ ले कि असली है इसी प्रकार सुपर फास्फेट उर्वरक की भी पहचान करने इसके कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें और यदि यह नहीं फूलते हैं तो असली हैं डॉक्टर खान ने बताया कि खेती-बाड़ी में उर्वरकों का अपना विशेष महत्व है इससे फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे उर्वरक खरीदते समय उर्वरक विक्रेता से रसीद अवश्य ले लें।

असली एवं नकली उर्वरकों की घरेलू स्तर पर कृषक स्वयं करें पहचानः डॉ खलील खान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज दिनांक 17 जुलाई 2023 को दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने कृषक भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान घरेलू स्तर पर स्वयं कृषक भाई कर सकते हैं मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि खरीफ का मौसम चल रहा है ऐसे भी किसान भाई खरीफ की फसलों में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करते हैं इसलिए जरूरी है कि किसान भाई रासायनिक उर्वरकों को जांच परख लें।तत्पश्चात पतलू में प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि असली यूरिया के दाने सफेद चमकदार और एक समान आकार के होते हैं इसके दाने पानी में पूरी तरह घुल जाते हैं इसके घोल को छूने पर ठंडा महसूस होता है तो यह समझ लेना चाहिए कि यूरिया असली है।

अथवा यूरिया के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखने से दाने पिघल जाते हैं आंच को तेज कर दें तो इसका कोई अवशेष नहीं बचता है तो किसान भाई समझ लें की ये असली यूरिया है डॉक्टर खान बताया कि इसी तरह से डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लेकर उसमें चूना मिलाकर मलने से यदि उसमें तेज गंध आने लगे और सूंघना मुश्किल हो जाए तो समझ ले कि डीएपी असली है दूसरी विधि में डीएपी के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें तवे पर दाने अपने आकार से फूल जाते हैं तो समझे कि यह असली डीएपी है इसी प्रकार से पोटाश के कुछ दानों को नम करें ऐसा करने पर यह यह दाने आपस में नहीं चिपकते हैं तो असली है दूसरी विधि में पोटाश को पानी में घोलने पर इसका लाल भाग पानी के ऊपर तैरता रहता है डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इसी प्रकार जिंक सल्फेट को डीएपी के घोल में मिलाने से थक्केदार अवच्छेप बन जाता है तो समझ ले कि असली है इसी प्रकार सुपर फास्फेट उर्वरक की भी पहचान करने इसके कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें और यदि यह नहीं फूलते हैं तो असली हैं डॉक्टर खान ने बताया कि खेती-बाड़ी में उर्वरकों का अपना विशेष महत्व है इससे फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे उर्वरक खरीदते समय उर्वरक विक्रेता से रसीद अवश्य ले लें।

असली एवं नकली उर्वरकों की घरेलू स्तर पर कृषक स्वयं करें पहचानः डॉ खलील खान

डीटीएनएन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में 17 जुलाई को दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने कृषक भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान घरेलू स्तर पर स्वयं कृषक भाई कर सकते हैं मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि खरीफ का मौसम चल रहा है ऐसे भी किसान भाई खरीफ की फसलों में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करते हैं इसलिए जरूरी है कि किसान भाई रासायनिक उर्वरकों को जांच परख लें।तत्पश्चात पतलू में प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि असली यूरिया के दाने सफेद चमकदार और एक समान आकार के होते हैं इसके दाने पानी में पूरी तरह घुल जाते हैं इसके घोल को छूने पर ठंडा महसूस

होता है तो यह समझ लेना चाहिए कि यूरिया असली है। अथवा यूरिया के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखने से दाने पिघल जाते हैं आंच को तेज कर दें तो इसका कोई अवशेष नहीं बचता है तो किसान भाई समझ लें की ये असली यूरिया है डॉक्टर खान बताया कि इसी तरह से डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लेकर उसमें चूना मिलाकर मलने से यदि उसमें तेज गंध आने लगे और सूंघना मुश्किल हो जाए तो समझ ले कि डीएपी असली है दूसरी विधि में डीएपी के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें तवे पर दाने अपने आकार से फूल जाते हैं तो समझे कि यह असली डीएपी है इसी प्रकार से पोटाश के कुछ दानों को नम करें ऐसा करने पर यह यह दाने आपस में नहीं चिपकते हैं तो असली है दूसरी विधि में पोटाश को पानी में घोलने पर इसका लाल भाग पानी के ऊपर तैरता रहता है डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इसी प्रकार जिंक सल्फेट को डीएपी के घोल में मिलाने से थक्केदार अवच्छेप बन जाता है तो समझ ले कि असली है इसी प्रकार सुपर फास्फेट उर्वरक की भी पहचान करने इसके कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें और यदि यह नहीं फूलते हैं तो असली हैं डॉक्टर खान ने बताया कि खेती-बाड़ी में उर्वरकों का अपना विशेष महत्व है इससे फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे उर्वरक खरीदते समय उर्वरक विक्रेता से रसीद अवश्य ले लें।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 20 कानपुर, मंगलवार 18 जुलाई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

riyaswaroop.in

माजूद रह । अन्तगत लागा का सड़क सुरक्षा एव यातायात म डा विजय कुमार, उप पारवहन आयुक्त उपास्थत रह।

असली एवं नकली उर्वरकों की घरेलू स्तर पर कृषक स्वयं करें पहचानः डॉ खलील

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में 17 जुलाई को दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने कृषक भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान घरेलू स्तर पर स्वयं कृषक भाई कर सकते हैं मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि खरीफ का मौसम चल रहा है ऐसे भी किसान भाई खरीफ की फसलों में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करते हैं इसलिए जरूरी है कि किसान भाई रासायनिक उर्वरकों को जांच परख लें तत्पश्चात पतलू में प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि असली यूरिया के दाने सफेद चमकदार और एक समान आकार के होते हैं इसके दाने पानी में पूरी तरह घुल

जाते हैं इसके घोल को छूने पर ठंडा महसूस होता है तो यह समझ लेना चाहिए कि यूरिया असली है। अथवा यूरिया के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखने से दाने पिघल जाते हैं आंच को तेज कर दें तो इसका कोई अवशेष नहीं बचता है तो किसान भाई समझ लें की ये असली यूरिया है डॉक्टर खान बताया कि इसी तरह से डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लेकर उसमें चूना मिलाकर मलने से यदि उसमें तेज गंध आने लगे और सूंघना मुश्किल हो जाए तो समझ ले कि डीएपी असली है दूसरी विधि में डीएपी के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें तवे पर दाने अपने आकार से फूल जाते हैं तो समझे कि यह असली डीएपी है इसी प्रकार से पोटाश के कुछ दानों को नम करें ऐसा करने पर यह यह दाने आपस में नहीं चिपकते हैं तो असली है दूसरी विधि में पोटाश को पानी में घोलने पर इसका लाल भाग पानी के ऊपर तैरता रहता है डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इसी प्रकार जिंक सल्फेट को डीएपी के घोल में मिलाने से थक्केदार अवच्छेप बन जाता है तो समझ ले कि असली है इसी प्रकार सुपर फास्फेट उर्वरक की भी पहचान करने इसके कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें और यदि यह नहीं फूलते हैं तो असली हैं डॉक्टर खान ने बताया कि खेती-बाड़ी में उर्वरकों का अपना विशेष महत्व है इससे फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे उर्वरक खरीदते समय उर्वरक विक्रेता से रसीद अवश्य ले लें।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/ इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/

असली एवं नकली उर्वरकों की घरेलू स्तर पर स्वयं पहचान करें किसान

❑ फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में सहायक होती है उर्वरक

वैज्ञानिक डॉ खलील खान।

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 17 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह की ओर से जारी निर्देश के क्रम में आज दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषक भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान घरेलू स्तर पर स्वयं कृषक भाई कर सकते हैं मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि खरीफ का मौसम चल रहा है ऐसे भी किसान भाई खरीफ की फसलों में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करते हैं इसलिए जरूरी है कि किसान भाई रासायनिक उर्वरकों को जांच परख लें। उन्होंने कहा कि असली यूरिया के दाने सफेद चमकदार और एक समान आकार के होते हैं इसके दाने पानी में पूरी तरह घुल जाते हैं इसके घोल को छूने पर ठंडा महसूस होता है तो यह समझ लेना चाहिए कि यूरिया असली है। अथवा यूरिया के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखने से दाने पिघल जाते हैं आंच को तेज कर दें तो इसका कोई अवशेष नहीं बचता है तो किसान भाई समझ लें की ये असली यूरिया है डॉक्टर खान बताया कि इसी तरह से डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लेकर उसमें चूना मिलाकर मलने से यदि उसमें तेज गंध आने लगे और सूंघना मुश्किल हो जाए तो समझ ले कि डीएपी असली है दूसरी विधि में डीएपी के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें तवे पर दाने अपने आकार से फूल जाते हैं तो समझे कि यह असली डीएपी है इसी प्रकार से पोटाश के

कुछ दानों को नम करें ऐसा करने पर यह यह दाने आपस में नहीं चिपकते हैं तो असली है दूसरी विधि में पोटाश को पानी में घोलने पर इसका लाल भाग पानी के ऊपर तैरता रहता है डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इसी प्रकार जिंक सल्फेट को डीएपी के घोल में मिलाने से थक्केदार अवज्छेप बन जाता है तो समझ ले कि असली है इसी प्रकार सुपर फास्फेट उर्वरक की भी पहचान करने इसके कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें और यदि यह नहीं फूलते हैं तो असली हैं डॉक्टर खान ने बताया कि खेती-बाड़ी में उर्वरकों का अपना विशेष महत्व है इससे फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे उर्वरक खरीदते समय उर्वरक विक्रेता से रसीद अवश्य ले लें।

उत्तराखंड,मध्य-प्रदेश,उत्तर-प्रदेश,राजस्थान,बिहार,महाराष्ट्र,गुजरात,संघ प्रदेश,से एक साथ प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

RNI NO - UTTHIN/2018/76731

दि ग्राम टुडे

Email : thegramtodayeditor@gmail.com

असली एवं नकली उर्वरकों की घरेलू स्तर पर कृषक स्वयं करें पहचान.. डॉ खलील खान

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(सूर्यनारायण,रमेश चंद्र सैनी)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज दिनांक 17 जुलाई 2023 को दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने कृषक भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि असली एवं नकली उर्वरकों की पहचान घरेलू स्तर पर स्वयं कृषक भाई कर सकते हैं मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि खरीफ का मौसम चल रहा है ऐसे भी किसान भाई खरीफ की फसलों में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करते हैं इसलिए जरूरी है कि किसान

भाई रासायनिक उर्वरकों को जांच परख लें तत्पश्चात पतलू में प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि असली यूरिया के दाने सफेद चमकदार और एक समान आकार के होते हैं इसके दाने पानी में पूरी तरह घुल जाते हैं इसके घोल को छूने पर ठंडा महसूस होता है तो यह समझ लेना चाहिए कि यूरिया असली है। अथवा यूरिया के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखने से दाने पिघल जाते हैं आंच को तेज कर दें तो इसका कोई अवशेष नहीं बचता है तो किसान भाई समझ लें की ये असली यूरिया है डॉक्टर खान बताया कि इसी तरह से डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लेकर उसमें चूना मिलाकर मलने से यदि उसमें तेज गंध आने लगे और सूंघना मुश्किल हो जाए तो समझ ले कि डीएपी असली है दूसरी विधि में डीएपी के कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें तवे पर दाने अपने आकार से फूल जाते हैं तो समझे कि यह असली डीएपी है इसी प्रकार से पोटाश के कुछ दानों को नम करें ऐसा करने पर यह यह दाने आपस में नहीं चिपकते हैं तो असली है दूसरी विधि में पोटाश को पानी में घोलने पर इसका लाल भाग पानी के ऊपर तैरता रहता है डॉक्टर खलील खान ने बताया कि इसी प्रकार जिंक सल्फेट को डीएपी के घोल में मिलाने से थक्केदार अवच्छेप बन जाता है तो समझ ले कि असली है इसी प्रकार सुपर फास्फेट उर्वरक की भी पहचान करने इसके कुछ दानों को गर्म तवे पर रखें और यदि यह नहीं फूलते हैं तो असली हैं डॉक्टर खान ने बताया कि खेती-बाड़ी में उर्वरकों का अपना विशेष महत्व है इससे फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे उर्वरक खरीदते समय उर्वरक विक्रेता से रसीद अवश्य ले लें।